नाट्यकला
(285)
शिक्षक-अंकितमूल्यांकन-पत्र

पूर्णांक - 20

निर्देश : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अंक सामने दिए गए हैं।
(ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए।

1. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- **2**

(क) सामवेद में दिए गए गान रूपी नाट्य तत्त्वों की एक सूची बनाइये। (देखें पाठ-1)
(ख) शूद्रक की नाट्यशैली पर एक टिप्पणी लिखिए। (देखें पाठ-1)

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- **2**

(क) आधिकारिक कथावस्तु को उदाहरण देते हुए समझाइए। (देखें पाठ-4)
(ख) पाँच कार्यावस्थाओं का उल्लेख कीजिए। (देखें पाठ-4)

3. किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- **2**

(क) नाट्य धर्म की दृष्टि से कथावस्तु के भेदों को लिखिए। (देखें पाठ-4)
(ख) प्रतिमानाटक के पाँचवे अंक का संक्षिप्त में सार लिखिए। (देखें पाठ-9)

4. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- **4**

(क) प्रतिमानाटक के किन्ही दो पात्रों का चरित्र चित्रण लिखिए। (देखें पाठ-9)
(ख) प्रतिमानाटक की रंग संभावनाओं का विस्तार से उल्लेख कीजिए। (देखें पाठ-9)

5. किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए - **4**

(क) नागानंद नाटक के रचयिता श्री हर्षवर्धन का सामान्य परिचय लिखिए।
(देखें पाठ-10)
(ख) आधुनिक रंगमंच का विस्तार से उल्लेख कीजिए। (देखें पाठ-13)

6. नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजना रूप में विवरण दीजिए। **6**

(क) नागानंद नाटक के सभी अंकों की एक सूची बनाकर प्रत्येक अंक का सार लिखिए।
(देखें पाठ-10)
(ख) रंगमंच के विभिन्न प्रकारों की सूची बनाते हुए उन्हें विस्तार से समझाइए।
(देखें पाठ-13)